खिलाफ भी। मैं समझता हूं चीन को हमेशा दुश्मन की कतार में खड़ा रखना यह कोई लियाकत या सूझ की बात नहीं है। चीन भी हमारा दोस्त हो सकता है। हमेशा चीन को दुश्मन कहा जाना और वहां छोटी छोटी बातें होने पर उसको बहुत बड़े विरोध के रूप में इस देश में पेश करना यह कोई ज्यादा फ़ायदेमन्द नहीं रहेगा भविष्य में। यह सरकार क्या चाहती है? आखिर चीन हमेशा से आक्रमणकारी नहीं रहा है। पाकिस्तान ने हमारे पर आक्रमण किये, मगर अब हम उसके दोस्त बने। आज माननीय प्रधान मंत्री जी और माननीय वाजपेयी जी को यह श्रेय जाता है कि उन्होंने पाकिस्तान के साथ अच्छे सम्बन्ध कायम किये और कितने नजदीक लाये। चीन के लोगों ने अपनी गरीबी दूर करने के लिये लड़ाई लड़ी, चीन के लोग बहादुरी से लड़े। वहां के लोगों ने अपने यहां से सरमायेदारी को खत्म किया, और आदमी के हाथ से आदमी की लूट को चीन में खत्म किया गया है। हम चाहते हैं कि उस देश के लोग ईमानदारी से रहें, अच्छाई से रहें, हमारे उनके अच्छे सम्बन्ध रहें। मगर कुछ बातों में बाज दफ़ा जब तीसरी शक्ति अपनी टांग फंसा देती है तो हालात वैसे नहीं रहते हैं जैसे कि हम चाहते हैं। अमरीका एक तरफ हमसे दोस्ती की बात करता है मगर अमरीका का यह प्रयास रहता है कि हर जगह दो आदमियों को लड़ाते रहो ताकि बीच में अमरीका का काम चलता रहे। इसलिये हम चाहते हैं कि हथियारों का विस्तार रुके, यह सरकार भी इस पर जोर देती है हथियारों के विस्तार पर रोक लगे और हथियार संसार में न बनें। यह सरकार यह भी चाहती है कि दुनिया में अमन हो और एक दूसरे के साथ सहयोग से रहें।

मैं मंत्री जी से दो, तीन बातें पूछना चाहता हूं। पहली तो यह कि अमरीका से फ्रांस के जरिये जो न्यूक्लियर शक्ति वहां जा रही है उसके बारे में जो देश में चिन्ता पैदा हो गई है उसके सम्बन्ध में क्या विदेश मंत्री जी जब चीन जायेंगे तो क्या इस विषय को उठायेंगे?

(2) क्या आपने अमरीका के राजदूत को बुला कर भारत सरकार की ओर से अपना प्रोटेस्ट लाज किया है?

(3) भविष्य में आप अमरीका के साथ अड़ोस पड़ोस के देशों के बारे में जो उसकी जंगी हथियारों की नीति है उसके बारे में कोई डीटेल्ड वार्तालाप करने के लिये डेलीगेशन का यहां आना या यहां से डेलीगेशन वहां भेजने का आप ख्याल रखते हैं? यही मैं आपसे पूछना चाहता हूं।

13 hrs.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : उपाध्यक्ष महोदय, जब मैं पीकिंग जाऊंगा, तो सभी प्रश्नों पर चर्चा होगी और उसमें यह प्रश्न भी आ सकता है। मैं फिर इस बात को दोहराना चाहता हूं कि इस सवाल का सम्बन्ध अमरीका से अधिक है, क्योंकि अमरीका ऐसी टेकनालोजी

फ्रांस के जरिये चीन को दे रहा है, जिसको औरों को देते समय वह फुल-स्कोप सेफ़गार्ड्स की बात करता है। अगर सैनेटर फ्रेंक चर्च का वक्तव्य सही है, तो चीन के मामले में वह उस सेफ़गार्ड पर बल देने के लिए तैयार नहीं है जैसा कि मैं ने अपने पहले उत्तर में कहा है, इस सम्बन्ध में हम अमरीकी दूतावास से सम्पर्क बनाये हुए हैं, और अगर इस करार को अंतिम रूप दे दिया जाता है, तो फिर कूटनीतिक दृष्टि से जो भी कदम आवश्यक होगा, वह हम उठायेंगे।

माननीय सदस्य ने यह भी कहा कि हमारे पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध सामान्य बनाने के प्रयत्नों में कभी कभी बाधा पैदा करने की कोशिश की जाती है। यह तो भारत और पड़ोसी देशों का कर्तव्य है कि इस प्रकार की बाधाओं को ताक पर रख कर, और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के, अपने सम्बन्धों को सुधारें और उनको मजबूत करें। वर्तमान सरकार सभी पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्धों को सामान्य बनाने के लिए उत्सुक है, लेकिन एक बात स्पष्ट है कि अगर हम किसी एक देश के साथ सम्बन्ध सामान्य बनाना चाहते हैं, तो वह किसी तीसरे देश की कीमत पर बनाना नहीं चाहते हैं, और इस लिए सम्बन्ध सामान्य बनाने की प्रक्रिया और देशों के साथ हमारे सम्बन्धों को कमजोर करने के लिए नहीं होगी। उन सम्बन्धों को मजबूत रखते हुए हम पड़ोसी देशों के साथ अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाना चाहते हैं।

LEAVE OF ABSENCE FROM THE SITTINGS OF THE HOUSE

MR. DEPUTY-SPEAKER: The Committee on Absence of Members from the sittings of the House in their Ninth Report have recommended that leave of absence be granted to eight Members, namely, Thakur Girija Nandan Singh, Sarvashri T. A. Pai, Dharmasinhbhai Patel, Keshavrao Dhondge, K. S. Chavda, Annasaheb Magar, Krishna Chandra Halder and Dr.

[Mr. DeputySpeaker]

Baldev Prakash, for the following periods:

(1) Thakur Girija Nandan Singh .	17th July to 31st August, 1978 (Fifth Session).
(2) Shri T. A. Pai	20th November to 22nd December. 1978 (Sixth Session).
(3) Shri Dharmasinhbhai Patel .	20th November to 22nd December, 1978 (Sixth Session).
(4) Shri Keshavrao Dhondge. .	1st to 31st August, 1978 (Fifth Session) and 20th November to 5th December, 1978 (Sixth Session).
(5) Shri K. S. Chavda. . . .	20th November to 22nd December, 1978 (Sixth Session).
(6) Shri Annasaheb Magar . .	20th November to 22nd December, 1978 (Sixth Session).
(7). Shri Krishna Chandra Halder. .	20th November to 22nd December, 1978 (Sixth Session).
(8) Dr. Baldev Prakash . . .	20th November to 22nd December, 1978 (Sixth Session)

It is the pleasure of the House that leave as recommended by the Committee may be granted?

SOME HON. MEMBERS: Yes.

MR. DEPUTY SPEAKER: The Members will be informed accordingly.

REPORT OF PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE HUNDRED AND FIRST REPORT

SHRI P. V. NARASIMHA RAO (Hanamkonda): I beg to present the Hundred and first Report (Hindi and English versions) of the Public Accounts Committee on action taken by Government on the recommendations contained in their Forty-fifth Report on Incorrect Grant of Export Incentives.

13.04 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) NON-AVAILABILITY OF MEDICINES TO FIGHT ENCEPHALITIS IN TIRUNELVELI AND TUTICORIN IN TAMIL NADU.

SHRI K. T. KOSALRAM (Tiruchendur): Under Rule 377, I am making statement on the following matter of urgent public importance.

I have been repeatedly requesting the hon. Minister of State in the Ministry of Health and Family Welfare that the Government of India should rush the required medicines to Tirunelveli and Tuticorin, Tamil Nadu, where Encephalitis has been spreading fast. During my visit to Tuticorin in the first week of this month, I have seen personally more than 100 patients in the hospital who have become the victims of Encephalitis.

The hon. Minister of State in the Ministry of Health and Family Welfare in his D.O. No. 1392 VIP/78 dated 8-12-78 stated that he is asking the Department to take immediate action in the matter of sending medicines to Tuticorin. But so far nothing has happened. I have come to know that the following medicines are not available in Tuticorin and Tamil Nadu in general:

Dehydroemetine used for amoebiasis; Emetine used for amoebiasis; Rholin used for ladies on Rh negative patients immediately after delivery; Botrapse used to control bleeding; Premarin used to control bleeding; Thyroid 60 mg. Tab. used in thyroid deficiencies; Dopsone used in Leprosy; Insulin Zinc, Lente NPH for diabetes.

The non-availability of the above medicines has created a scare among people of Tamilnadu particularly in Tuticorin that even the medicines for controlling Encephalitis are not available.

There seems to be justification for which I had to write to the hon. Minister to rush medicines to Tuticorin. I want the hon. Minister to make a statement in this regard.